

16/11  
22

आज यह पत्रायनी प्राचीनता मुझे  
एवं महेश्वर के द्वारा उपस्थित होकर  
मुझ पर प्रेम करते हैं पत्रायनी में की  
गई। आज पत्रायनी आश्रम का प्रेम  
किता कि कारिगण कर्म प्रतिकारिगण के  
नाम राक्षसका है, जगता है अतः वास  
को आगे नहीं चलाना चाहते हैं तथा  
इसी लिए पर दायित्व दस्तक करते हैं  
निवेदन किता। अतः कारिगण के साथ  
के आचार पर वास इसी लिए पर दायित्व  
किता जाता है। पत्रायनी निम्नलिखित दायित्व  
दस्तक देकर लम्ब ले कर है।

मुझे  
महेश्वर  
Iyym  
22



(प्रियंका तलानिया)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़